दुष्यंत कुमार यादव
27, कामठी विहार कालोनी,
परासिया रोड,छिन्दवाड़ा
(म.प्र.) 480001
मो. 8989757700

रेडियो से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण तिथियां

रेडियो दिवस 13 फरवरी को मनाया जाता है

सर्वप्रथम रेडियो का प्रसारण इटली में शुरु हुआ था

सबसे पहले 1918 में न्यूयार्क में एक रेडियो स्टेशन लगाया गया जिसका नाम था द फारेस्ट (दि फारेस्ट)

सबसे पहले 1864 में जेम्स क्लर्क मैक्सवेल ने यह दिखाया था की विद्युत चुम्बकीय तरंगें बिना तार के एक जगह से दूसरी जगह कैसे भेजी जा सकती है पांच साल बाद (1869) में उनकी मृत्यु हो गई और वो रेडियो को नहीं बना सके। उसके बाद 1886-1889 में एक जर्मन वैज्ञानिक हेनरिख हर्ट्ज़ ने इस सिद्धांत को साबित किया कि ये सही है।

1890 में एक इटालियन वैज्ञानिक मार्कोनी ने वायरलैस टेलीग्राफी पर काम करना शुरू किया जब वो सिर्फ 16 साल के थे. 1900 में उन्होंने पहली बार रेडियो संदेश भेज कर दिखाया। एक से अधिक व्यक्तियों के पास रेडियो सन्देश 1906 में भेज गया था वो भी अटलांटिक महासागर में तैर रहे जहाजों के रेडियो ऑपरेटरों के पास और ये कोई संदेश नहीं बल्कि एक संगीत उनको सुनाया गया इससे पहले जे.सी. बोस ने भारत में तथा मार्कोनी ने सन 1900 में इंग्लैंड से अमरीका बेतार संदेश भेजकर व्यक्तिगत रेडियो संदेश भेजने की शुरुआत कर दी थी। पर एक से अधिक व्यक्तियों को एक साथ संदेश भेजने या ब्रॉडकास्टिंग की शुरुआत 1906 में फेसेंडेन के साथ हुई। ली द फोरेस्ट और चार्ल्स हेरॉल्ड जैसे लोगों ने इसके बाद रेडियो प्रसारण के प्रयोग करने शुरु किए। तब तक रेडियो का प्रयोग सिर्फ नौसेना तक ही सीमित था। 24 दिसंबर 1906 की शाम कनाडाई वैज्ञानिक रेगिनाल्ड फेसेंडेन ने जब अपना वॉयलिन बजाया और अटलांटिक महासागर में तैर रहे तमाम जहाजों के रेडियो ऑपरेटरों ने उस संगीत को अपने रेडियो सेट पर सुना। वह दुनिया में रेडियो प्रसारण की शुरुआत थी।